आफत: कच्चा माल महंगा होने से रेडीमेड और होजरी कपड़ों के दाम बढ़े

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

त्योहारी सीजन से पहले कच्चा माल महंगा होने से कपड़ा 25 फीसदी तक दाम बढ़ गये हैं। बाजार में कॉटन की कीमत 25-30 रुपये प्रति मीटर तक बढ़ गई है। इसके अलावा धागा 400 रुपये प्रति किलो महंगा हो गया है। वहीं केमिकल 30-35 फीसदी तक दाम बढ़ गये हैं।

इससे दिवाली के साथ-साथ शादी-विवाह की तैयारियां कर रहे परिवारों का बजट गड़बड़ा गया है।

उत्तर प्रदेश कपड़ा व्यापार मंडल के अध्यक्ष अशोक मोतियानी ने बताया कि धागा और कलर केमिकल सहित तमाम कच्चे माल की कीमत में लगातार बढ़ोतरी से कपड़े की लागत बढ़ी है। उन्होंने बताया कि धागा 1200 रुपये प्रतिकिलो से बढ़कर 1600 रुपये प्रतिकिलो हो गया। इसके अलावा कॉटन 75 रुपये मीटर से बढ़कर 100 रुपये प्रतिमीटर हो गया है।

ऐसे बढ़े दाम

- त्योहारी सीजन से पहले कपड़ा 25 फीसदी तक दाम बढ़े
- धागा 400 रु. प्रति किलो महंगा
- केमिकल व बकरम की कीमतें 35 प्रतिशत तक बढ़ीं
- कॉटन की कीमत 25-30 रुपये प्रति मीटर तक बढ़ गई है
- सहालग की तैयारी कर रहे परिवारों का बजट बढ़ा

धागे से लेकर हुक व चेन भी महंगी हो गई

बनारस कपड़ा कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजीव कपूर ने बताया कि कपड़ा तो महंगा हुआ ही, धागे से लेकर हुक-चेन व अन्य सामग्री भी महंगी है। पुरानी बुकिंग के कारण मजबूरी में लागत मूल्य पर सप्लाई कर रहे हैं। पिछले एक महीने में रेडीमेड कपड़े की कीमत भी 20 से 25 प्रतिशत तक बढ़ानी पड़ेगी।

कलर केमिकल की बढ़ रही कीमत

लखनऊ रेडीमेड होजरी एसोसिएशन के अध्यक्ष अमरनाथ मिश्रा ने बताया कि इस समय कलर-केमिकल की कीमत 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ी है, जिससे तैयार कपड़े की कीमत भी बढ़ गई है। एक हजार रुपये वाले रेडीमेड कपड़े 1500 रुपये तक पहुंच गये हैं। इसके अलावा कच्चे माल की कीमत बढ़ने से धागे की कीमत 400 रुपए प्रति किलोग्राम तक बढ़ी है।

पेट्रोल के दाम बढ़ने से माल भाड़ा बढ़ा

उत्तर प्रदेश शॉपिंग मॉल आदर्श व्यापार मंडल के संयोजक व कपड़ा करोबारी मोहम्मद अफजल ने बताया कि पेट्रोल और डीजल की कीमत बढ़ने के कारण ट्रांसपोर्टरों ने किराए में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की है। इन दिनों बाजार में दीपावली के कारण तेजी होने से प्रतिदिन 1200 ट्रक रवाना हो रहे हैं। ट्रांसपोर्टर्स ने भी किराए में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी कर दी है।